सपा और कांग्रेस जिन्ना के उपासक : योगी

जीरो टॉलरेंस नीति से अपराधियों के हौसले पस्त : योगी आदित्यनाथ

▸ जीरो टॉलरेंस नीति के कारण अपराधियों के हौसले पस्त

बिजनौर, 17 जुलाई. देश और प्रदेश में डबल इंजन सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के कारण अपराधियों के हौसले पस्त हैं. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अपने तूफानी दौरे के दौरान शामली के बाद बिजनौर में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही.

मुख्यमंत्री ने महात्मा विदुर की पावन धरती बिजनौर और चांदपुर विधानसभा क्षेत्रों के लिए करीब 1,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करते हुए जिले को प्रगति की नई रफ्तार दी.इस दौरान उन्होंने विपक्षी दलों पर तीखा

हमला बोलते हुए कहा कि कुछ लोगों को समाज में दंगा कराने के लिए सपा और कांग्रेस जिन्ना के उपासक हैं, जबकि हमारी सरकार को किसानों की समृद्धि के लिए गन्ना पसंद है.

उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का एजेंडा समाज में विभाजन पैदा करना नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, एकता को मजबूत करना और समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर विकास के रास्ते पर आगे बढ़ना है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिले की कानून-व्यवस्था में आए बदलाव को रेखांकित करते हुए, कहा कि वर्ष 2017 से पहले बिजनौर में अपराध और माफिया का दबदबा था, जिसके चलते कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त थी. पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए। श्री योगी ने कहा कि पहले के मुख्यमंत्री बिजनौर आने से भी कतराते थे, लेकिन आज डबल इंजन सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के कारण अपराधियों के हौसले पस्त हैं और नौ साल पहले की तुलना में आज का बिजनौर विकास की एक नई व स्वच्छ पहचान के साथ देश के सामने खड़ा है.

मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के अन्नदाता किसानों, युवाओं, व्यापारियों और कारीगरों की सराहना करते हुए कहा कि बिजनौर की समृद्धि इन्हीं की मेहनत का परिणाम है. किसानों और आमजन के हितों को सर्वोपरि बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की मांग पर सरकार ने गन्ने का मूल्य बढ़ाकर 400 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है, जिससे अब किसानों को भुगतान के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ता. इसके साथ ही उन्होंने बिजनौर के विकास को नया आयाम देने के लिए बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे का विस्तार अब हरिद्वार तक किया जाएगा, जिससे जिले को अभूतपूर्व कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा.

अनुराग कुमार ने दिल्ली के नए पुलिस आयुक्त पद की कमान संभाली

नई दिल्ली, 17 जुलाई. भारतीय पुलिस सेवा(आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी अनुराग कुमार ने शुक्रवार दोपहर दिल्ली पुलिस के नए आयुक्त के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया. उन्होंने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सतीश गोलचा से पदभार ग्रहण किया. इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक आदेश के जारी करके कहा कि अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम-केंद्रशासित प्रदेश (एजीएमयूटी) संवर्ग के 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी श्री कुमार तत्काल प्रभाव से कार्यभार संभालेंगे और अगले आदेश तक इस पद पर बने रहेंगे. अपनी इस नियुक्ति से पहले, श्री कुमार खुफिया ब्यूरो (आईबी) में विशेष निदेशक थे. अनुराग को पुलिस व्यवस्था, खुफिया जानकारी और रणनीतिक सुरक्षा में तीन दशकों से अधिक का अनुभव है.

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में टिन्नू और मनीष 39 घंटे पुलिस रिमांड पर

▸ कोर्ट ने 7 दिन की मांग के बदले दी सीमित रिमांड, जांच में जुटी पुलिस

अयोध्या, 17 जुलाई. अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में चढ़ावे से जुड़ी चोरी के मामले में आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू और उसके भतीजे मनीष यादव की पुलिस रिमांड शुक्रवार को मंजूर हो गई। फैजाबाद कोर्ट ने दोनों आरोपियों को 39 घंटे की पुलिस हिरासत में भेजने की अनुमति दी है।

पुलिस ने पूछताछ के लिए सात दिन की रिमांड मांगी थी, लेकिन अदालत ने सीमित अवधि की अनुमति दी। पुलिस के अनुसार, रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू मंदिर में दानपात्रों की

देखरेख से जुड़े काम से जुड़े थे, जबकि मनीष यादव चढ़ावे की गिनती की प्रक्रिया में शामिल था। जांच एजेंसियां अब दोनों से चढ़ावे की कथित गड़बड़ी, लेन-देन और अन्य संबंधित पहलुओं को लेकर पूछताछ कर रही हैं। जांच के दौरान पुलिस ने दोनों आरोपियों के घरों से नकदी बरामद करने का दावा किया है। पुलिस के मुताबिक, टिन्नू के घर से करीब एक लाख रुपये और मनीष के घर से करीब दो लाख रुपये बरामद किए गए थे। मामले में आगे की जांच के लिए अन्य संभावित लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। इस बीच, चढ़ावे से जुड़ी घटना के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से मंदिर परिसर में प्रायश्चित अनुष्ठान शुरू कराया.

शुक्रवार सुबह से शुरू हुए इस विशेष पूजा कार्यक्रम में 18 पुजारी और 5 आचार्य शामिल हैं। वैदिक मंत्रोच्चार, रुद्राभिषेक और हवन के माध्यम से धार्मिक अनुष्ठान किया जा रहा है। ट्रस्ट का मानना है कि यह घटना व्यवस्था में हुई चूक के कारण हुई, जिससे श्रद्धालुओं की भावनाएं प्रभावित हुईं. वैदिक परंपरा के अनुसार प्रायश्चित कार्यक्रम आयोजित किया गया।

यात्रियों को सेकेंड क्लास पैसेंजर कहना उचित नहीं

▸ सुप्रीम कोर्ट ने शब्दावली को लेकर दी तल्ख टिप्पणी

नई दिल्ली, 17 जुलाई. सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय रेलवे को यात्रियों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक शब्दावली पर दोबारा विचार करने की सलाह दी है. अदालत ने कहा कि यात्रियों को सेकेंड क्लास पैसेंजर कहना उचित नहीं है.

सेकेंड क्लास शब्द का इस्तेमाल कोच या बर्थ के लिए किया जा सकता है, लेकिन किसी व्यक्ति की पहचान के रूप में नहीं. जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की

पीठ ने यह टिप्पणी एक रेल हादसे से जुड़े मुआवजा मामले की सुनवाई के दौरान की. अदालत ने कहा कि भारत जैसे देश में, जहां लंबे समय तक सामाजिक और वर्गीय भेदभाव का इतिहास रहा है, किसी यात्री को उसकी यात्रा श्रेणी के आधार पर अलग पहचान देना संविधान की समानता की भावना के खिलाफ है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यात्री की पहचान उसके टिकट या किराए के आधार पर नहीं की जानी चाहिए.

वर्गीकरण केवल यात्रा सुविधा या कोच से संबंधित होना चाहिए. अदालत ने रेलवे को अपनी आधिकारिक भाषा में इस तरह के शब्दों के इस्तेमाल पर पुनर्विचार करने को कहा. यह मामला चंद्रकांत ठक्कर की मौत से जुड़ा था, जिनकी 28 नवंबर 2015 को रायपुर से अहमदाबाद जा रही ट्रेन संख्या 12834 से गिरने के कारण मौत हो गई थी. घटना महाराष्ट्र के खंडबाड़ा और खटगांव स्टेशन के बीच हुई थी. मृतक की पत्नी लता ने रेलवे से मुआवजे का दावा किया था.

कानून के अनुसार देश में होते हैं चुनाव : ज्ञानेश

नयी दिल्ली, 17 जुलाई. मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने शुक्रवार को कहा कि देश में चुनाव संविधान, कानून के अनुसार कराये जाते हैं तथा मतदाता सूची समय-समय पर अद्यतन होते रहने के कारण एक जीवंत दस्तावेज है.

ज्ञानेश ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने प्रथम अखिल भारतीय मीडिया सम्मेलन 2026 को संबोधित कर रहे थे. इस सम्मेलन में देशभर के राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों से 380 से अधिक मीडिया पेशेवरों ने भाग लिया. सम्मेलन का विषय था— 'हितधारकों को जोड़ना, लोकतंत्र को सशक्त बनाना :

चुनावों में मीडिया की भूमिका. मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने प्रतिभागियों को संबोधित किया. उन्होंने कहा, भारत में चुनाव भारतीय संविधान, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम तथा समय-समय पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार कराये जाते हैं. देश की संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया का संबंधित हितधारकों द्वारा समानांतर रूप से निरंतर परीक्षण एवं लेखा-परीक्षण किया जाता है.

श्री कुमार ने कहा कि लगभग 95 करोड़ भारतीय मतदाताओं वाली भारत की मतदाता सूची एक जीवंत दस्तावेज है, जो समय के साथ निरंतर अद्यतन होती रहती है. मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया में उपलब्ध वैधानिक सुरक्षा उपायों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि इस कार्य में 12 लाख से अधिक बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) तथा 15 लाख से अधिक बूथ स्तरीय अभिकर्ता (बीएलए) सक्रिय रूप से 'समानांतर लेखा-परीक्षक' के रूप में कार्य करते हैं.

कोरोना की दस्तक : आंध्र के कडप्पा में कोरोना से 4 की मौत

13 मामले अब तक हुए दर्ज, सरकार ने किया अस्पतालों को अलर्ट

अमरावती, 17 जुलाई। आंध्र प्रदेश में कोविड-19 के नए मामलों ने एक बार फिर स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। राज्य में जून से अब तक कोरोना संक्रमण के 13 मामले सामने आए हैं, जिनमें सबसे अधिक 8 मामले कडप्पा जिले में दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा तीन मामले गुंटूर, एक विशाखापट्टनम और एक काकीनाडा जिले में मिला है। राज्य में अब तक चार संक्रमित मरीजों की मौत भी हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जिन मरीजों की मौत हुई, वे पहले से गंभीर बीमारियों से भी पीड़ित थे। वर्तमान में दो कोविड मरीज अस्पताल में भर्ती होकर उपचाराधीन हैं, जबकि कई संक्रमितों को चिकित्सकीय निगरानी में होम आइसोलेशन में रखा गया है। कृष्णा जिले की एक महिला भी कोरोना संक्रमित पाई गई है।

45 से ज्यादा सैनिक मारे गए : बीएलए

इस्लामाबाद, 17 जुलाई. पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा स्थिति एक बार फिर तनावपूर्ण हो गई है. मस्तुंग जिले में सैन्य काफिले पर हुए हमले के बाद पूरे क्षेत्र में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है.

बलूच लिबरेशन आर्मी ने दावा किया है कि इस हमले में 45 से अधिक पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हुई है, हालांकि पाकिस्तानी अधिकारियों ने अब तक हताहतों की संख्या की पुष्टि नहीं की है. घटना के बाद बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा के कई प्रमुख अस्पतालों को अलर्ट पर रखा गया. सिविल हॉस्पिटल क्वेटा, घौस बख्श रायसानी मेमोरियल हॉस्पिटल सहित अन्य चिकित्सा केंद्रों में आपात व्यवस्था की गई.

सुरक्षा कर्मियों को मस्तुंग क्षेत्र से एंबुलेंस के जरिए अस्पतालों तक पहुंचाया गया. घायलों को निकालने और सुरक्षा बलों की मदद के लिए हेलीकॉप्टरों का भी इस्तेमाल किया गया। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, निशाना बनाया गया सैन्य काफिला करीब 10 बसों में यात्रा कर रहे जवानों का था। बताया गया कि ये जवान छुट्टी पर जा रहे थे। बीएलए ने दावा किया कि हमले में सैन्य काफिले के साथ सुरक्षा बलों की अतिरिक्त टुकड़ियों को भी निशाना बनाया गया.हमले के बाद क्वेटा-कराची राष्ट्रीय राजमार्ग के कई हिस्सों पर यातायात रोक दिया गया।

सेकेंड क्लास यात्री नहीं, सिर्फ बर्थ हो सकती है : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 17 जुलाई. सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय रेलवे को यात्रियों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक शब्दावली पर दोबारा विचार करने की सलाह दी है. अदालत ने कहा कि यात्रियों को सेकेंड क्लास पैसेंजर कहना उचित नहीं है.

सेकेंड क्लास शब्द का इस्तेमाल कोच या बर्थ के लिए किया जा सकता है, लेकिन किसी व्यक्ति की पहचान के रूप में नहीं. जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने यह टिप्पणी एक रेल हादसे से जुड़े मुआवजा मामले की सुनवाई के दौरान की. अदालत ने कहा कि भारत जैसे देश में, जहां लंबे समय तक सामाजिक और वर्गीय भेदभाव का इतिहास रहा है, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यात्री की पहचान उसके टिकट या किराए के आधार पर नहीं की जानी चाहिए. वर्गीकरण केवल यात्रा सुविधा या कोच से संबंधित होना चाहिए. अदालत ने रेलवे को अपनी आधिकारिक भाषा में इस तरह के शब्दों के इस्तेमाल पर पुनर्विचार करने को कहा. यह मामला चंद्रकांत ठक्कर की मौत से जुड़ा था, जिनकी 28 नवंबर 2015 को रायपुर से अहमदाबाद जा रही ट्रेन संख्या 12834 से गिरने के कारण मौत हो गई थी.

लालू यादव की तबीयत बिगड़ी

अस्पताल में किया भर्ती, स्वास्थ्य जांच में जुटे डॉक्टर

पटना, 17 जुलाई. राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की तबीयत बिगड़ने के बाद शुक्रवार को उन्हें इलाज के लिए पटना के इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान लाया गया.

अस्पताल पहुंचने के बाद चिकित्सकों की टीम ने उनकी स्वास्थ्य जांच शुरू कर दी है. लालू यादव के साथ उनकी पत्नी और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी तथा बड़े बेटे तेज प्रताप यादव भी मौजूद हैं. हालांकि, अस्पताल लाए जाने की वजह और उनकी स्वास्थ्य स्थिति को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक मेडिकल बुलेटिन जारी नहीं किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, लालू यादव को चक्कर आने के बाद अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टर उनकी जांच कर रहे हैं और उनके स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न पहलुओं की निगरानी की जा रही है. लालू प्रसाद यादव लंबे समय से कई स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्हें किडनी से जुड़ी परेशानी, मधुमेह, रक्तचाप, हृदय संबंधी समस्या सहित अन्य बीमारियां हैं. इसके अलावा उन्हें यूरिक एसिड और प्रोस्टेट से जुड़ी समस्या भी रही है.

महाराष्ट्र विधानसभा ने डिजिटल विधानमंडल की ओर बढ़ाया कदम

नई दिल्ली. महाराष्ट्र विधानसभा ने राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन (नेवा) को अपनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है. संसदीय कार्य मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि इस संबंध में 16 जुलाई को मुंबई स्थित विधानसभा भवन में भारत सरकार के संसदीय कार्य मंत्रालय, महाराष्ट्र सरकार के संसदीय कार्य विभाग और महाराष्ट्र विधानसभा सचिवालय के बीच उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की. संसदीय कार्य मंत्रालय के अपर सचिव एवं नेवा मिशन लीडर डॉ. सत्य प्रकाश, महाराष्ट्र विधानसभा के सचिव-प्रथम जितेंद्र भोले, सचिव-चतुर्थ सुदर्शन साठे, संसदीय कार्य विभाग की सचिव सुप्रिया धिवरे सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

एक वर्षीय पाठ्यक्रमों पर मंथन के लिए बनी छह सदस्यीय समिति

▸ दिल्ली यूनिवर्सिटी ने बनाई कमेटी

▸ शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभागों के

नई दिल्ली, 17 जुलाई. दिल्ली विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में सीटें बढ़ाने के प्रस्तावों पर विचार प्रक्रिया शुरू कर दी है. विश्वविद्यालय ने इस संबंध में छह सदस्यीय समिति का गठन किया है, जो विभिन्न विभागों से प्राप्त सीट वृद्धि के अनुरोधों की समीक्षा करेगी और अपनी सिफारिशें प्रशासन को सौंपेगी.

विश्वविद्यालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, कई विभागों ने एक वर्षीय कार्यक्रमों में सीटों की संख्या बढ़ाने का अनुरोध किया था. बढ़ते आवेदनों और उपलब्ध सीटों की सीमित संख्या को देखते हुए इन प्रस्तावों पर विस्तृत विचार के लिए समिति बनाई गई है. समिति को निर्देश दिया गया है कि वह संबंधित विभागों के प्रस्तावों का अध्ययन कर आवश्यक सुझाव दे. विश्वविद्यालय ने समिति से अपनी रिपोर्ट और सिफारिशें 10 दिनों के भीतर प्रस्तुत करने को कहा है. इसके बाद समिति की रिपोर्ट के आधार पर सीट वृद्धि को लेकर आगे का निर्णय लिया जाएगा. दिल्ली विश्वविद्यालय में हर वर्ष बड़ी संख्या में छात्र स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन करते हैं. सीमित सीटों के कारण कई योग्य उम्मीदवारों को प्रवेश प्रक्रिया में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है. उपलब्ध सुविधाओं, शिक्षकों की संख्या, कक्षाओं की क्षमता और अन्य शैक्षणिक संसाधनों का मूल्यांकन करना है,

पंजाब में 30 हजार करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाओं पर काम जारी : अश्विनी

जालंधर, 17 जुलाई. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को देश के 20 राज्यों के 75 अमृत भारत रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया. उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर में 1,300 से अधिक रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है.

इनमें से 261 स्टेशन बनकर तैयार हो चुके हैं, जबकि चालू वर्ष के अंत तक 350 स्टेशन तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है. जालंधर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रेल मंत्री ने

कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशनों का निर्माण भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि आने वाले दशकों में यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए स्टेशनों की क्षमता बढ़ायी जा रही है. इसके तहत सेकेंड एंट्री, आधुनिक कॉनकोर्स, प्लेटफार्मों के ऊपर विशाल यात्री क्षेत्र तथा बेहतर यात्री सुविधाओं का विकास किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे का अभूतपूर्व आधुनिकीकरण हो रहा है और आने वाले वर्षों में रेलवे का पूरी तरह नया स्वरूप देखने को मिलेगा. श्री वैष्णव ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले पंजाब के लिए रेलवे का वार्षिक बजट केवल 220-225 करोड़ रुपये के आसपास होता था, लेकिन श्री मोदी के नेतृत्व में इसे बढ़ाकर करीब 5,500 करोड़ रुपये कर दिया गया है.

आज का इतिहास

1630- स्पेन के सैनिकों ने इटली के मंतुआ प्रांत पर कब्जा किया.

1857- बंबई विश्वविद्यालय की स्थापना.

1918- नोबेल पुरस्कार सम्मानित दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला का जन्म.

1927- प्रसिद्ध ग़ज़ल गायक मेहदी हसन का जन्म.

1947- भारतीय स्वाधीनता अधिनियम को शाही स्वीकृति मिली.

1948- भारतीय सेना के वीर अमर शहीदों में एक पीरू सिंह का निधन.

संघ के लिए हिंदू धार्मिक ही नहीं जीवन पद्धति का प्रतीक :राजनाथ

▸ सार्वजनिक विमर्श पर टिप्पणी करते हुए गृह मंत्री ने कहा-गलत नैरेटिव किया गया तैयार

नई दिल्ली, 17 जुलाई. केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को लेकर बनाए गए सार्वजनिक विमर्श पर टिप्पणी करते हुए कहा कि संगठन के बारे में यह धारणा बनाई गई है कि वह हिंदू राष्ट्र का निर्माण करना चाहता है, जबकि संघ के लिए, हिंदू कोई धार्मिक पहचान नहीं है. उन्होंने कहा कि आरएसएस की दृष्टि में हिंदू शब्द स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरित एक व्यापक जीवन पद्धति और महान सोच का प्रतीक है. नई दिल्ली में आयोजित एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि आरएसएस के इर्द-गिर्द ऐसा नैरेटिव तैयार किया गया है, जिससे संगठन की विचारधारा को लेकर भ्रम पैदा हुआ है. उन्होंने कहा कि संघ के संदर्भ में हिंदू शब्द को केवल धार्मिक पहचान के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे भारतीय जीवन मूल्यों और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से जोड़कर समझने की आवश्यकता है. राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि आरएसएस की अवधारणा में हिंदू का अर्थ किसी एक धर्म तक सीमित नहीं है. उनके अनुसार, यह शब्द एक ऐसी विचारधारा और जीवन शैली का प्रतिनिधित्व करता है, जिसका संबंध व्यापक सांस्कृतिक दृष्टिकोण से है.

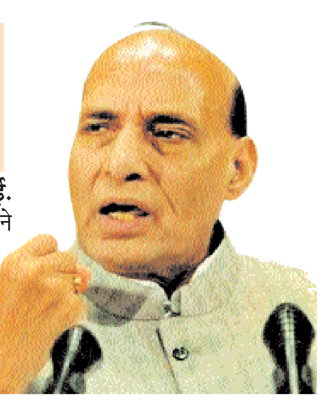

राजनाथ सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना से लेकर अब तक के 100 वर्षों की यात्रा, संगठन की गतिविधियों, राष्ट्र सेवा, सामाजिक एकता और स्वयंसेवकों के योगदान का उल्लेख किया गया है। पुस्तक का लेखन श्याम जाजू और अनुपम त्रिवेदी ने किया है। पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में राजनीति, शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे. कार्यक्रम के दौरान संघ के शताब्दी वर्ष, उसके कार्यों और सामाजिक योगदान से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की गई. रक्षा मंत्री का यह बयान पुस्तक विमोचन समारोह में दिए गए उनके संबोधन का हिस्सा था, जिसमें उन्होंने आरएसएस की विचारधारा और उससे जुड़े सार्वजनिक विमर्श पर अपने विचार व्यक्त किए. कार्यक्रम में पुस्तक के माध्यम से संघ की 100 वर्षों की यात्रा और विभिन्न क्षेत्रों में उसके कार्यों को भी रेखांकित किया गया।

ऐतिहासिक पल ▸ अंतरिक्ष में जाएगा पीएम मोदी का 'वंदे मातरम' संदेश

आज इतिहास रचेगा विक्रम-1 टेस्ट फ्लाइट

नई दिल्ली, 17 जुलाई. प्राइवेट स्पेस स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस ने शुक्रवार को घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ से लिखा पोस्टकार्ड, जिस पर 'वंदे मातरम' लिखा है, 18 जुलाई को कंपनी की विक्रम-1 टेस्ट फ्लाइट-1 के जरिए अंतरिक्ष में भेजा जाएगा.

प्राइवेट स्पेस स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस ने शुक्रवार को घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाथ से लिखा पोस्टकार्ड, जिस पर 'वंदे मातरम' लिखा है, 18 जुलाई को कंपनी की विक्रम-1 टेस्ट

फ्लाइट-1 के जरिए अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में स्काईरूट एयरोस्पेस ने कहा कि इस मिशन में ले जाए जाने वाले खास पेलोड में पीएम मोदी का हाथ से लिखा संदेश भी शामिल होगा। इसके साथ ही, कंपनी की टीम, निवेशकों, नीति-निर्माताओं और दुनिया भर के शुभचिंतकों के हाथ से लिखे नोट भी इसमें शामिल होंगे। कंपनी ने कहा, विक्रम-1 टेस्ट फ्लाइट-1 पर ले जाए जा रहे पेलोड में एक बहुत ही खास चीज है, पीएम मोदी का हाथ से लिखा पोस्टकार्ड, जिस पर 'वंदे मातरम' लिखा है. स्काईरूट के अनुसार, ये यादगार चीजें 'मिशन आगमन' का हिस्सा हैं.

कंपनी ने कहा कि हाथ से लिखे ये संदेश भारत के बढ़ते प्राइवेट स्पेस इकोसिस्टम के लिए सामूहिक समर्थन का प्रतीक हैं और विक्रम-1 मिशन के साथ अंतरिक्ष में जाएंगे. विक्रम-1 और कॉस्मोसर्व, डी-व्यूह और स्काईरूट के अपने स्कोप से टेक्नोलॉजी डेमोंस्ट्रेशन पेलोड ले जाए जाएंगे. कॉसमॉस डायमंड्स का बनाया आर्टवर्क 'कॉस्मिक ब्लूम' और एक माइक्रो-आर्ट पेलोड भी होगा. विक्रम-1 स्काईरूट एयरोस्पेस का पहला ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल, भारत के प्राइवेट स्पेस सेक्टर के लिए एक अहम उपलब्धि साबित हो सकता है.

हस्तियों के ट्वीट

केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने हाल ही में सोशल मिडिया एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मज़बूत और निर्णायक नेतृत्व में, भारत की एनर्जी पीएसयू, देश के लिए लंबे समय तक और अलग-अलग तरह से ऊर्जा की सप्लाई पक्की करने के लिए इक्विटी ऑयल, डिविडेंड मॉडल और रणनीतिक साझेदारी जैसे ग्लोबल एसेट्स पर काम कर रही हैं.

भारतीय उद्यमी, कंटेंट क्रिएटर, और पॉडकास्टर्स राज शामनी ने हाल ही में सोशल मिडिया एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि पुरानी पीढ़ी के लोग युवाओं को बेसब्र कहते हैं क्योंकि वे जल्दी ही सबूत मांगते हैं। लेकिन युवा ऐसे माहौल में बड़े हुए हैं जहाँ उन्होंने देखा है कि डिग्री, वफ़ादारी और पक्की नौकरी से भी वह ज़िंदगी नहीं मिल पाती जिसका वादा किया गया था। जब उस प्रोसेस से कोई फ़ायदा मिलना बंद हो जाए.